



होली हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है और यह अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। इस त्योहार के पीछे कई धार्मिक और पौराणिक मान्यताएँ हैं।

प्रह्लाद और होलिका की कथा

होली का सबसे प्रसिद्ध धार्मिक प्रसंग भक्त प्रह्लाद और उसकी बुआ होलिका से जुड़ा है। प्राचीन कथा के अनुसार, दानव राजा हिरण्यकश्यप ने स्वयं को भगवान घोषित कर दिया था और सभी को आदेश दिया कि वे केवल उसकी पूजा करें। लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का अनन्य भक्त था। हिरण्यकश्यप को यह स्वीकार नहीं था, इसलिए उसने अपने पुत्र को मारने की कई योजनाएँ बनाईं।

अंततः, उसने अपनी बहन होलिका की मदद ली, जिसे यह वरदान प्राप्त था कि वह आग में नहीं जलेगी। योजना के तहत, होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठी, लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच गया और स्वयं होलिका जलकर राख हो गई। इस घटना की स्मृति में होलिका दहन किया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

होली कब है?

होली का पर्व हर साल फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। वर्ष 2025 में होली **14 मार्च** को मनाई जाएगी। यह दो दिनों का त्योहार होता है – पहले दिन होलिका दहन और दूसरे दिन रंगों की होली खेली जाती है।

कृष्ण और राधा की होली

भगवान श्रीकृष्ण और राधा की होली भी बहुत प्रसिद्ध है। मान्यता है कि भगवान कृष्ण अपनी साँवली त्वचा को लेकर परेशान थे, इसलिए उन्होंने राधा और गोपियों पर रंग डाल दिया। यह परंपरा आज भी मथुरा और वृंदावन में धूमधाम से मनाई जाती है।

[श्री कृष्ण स्तोत्र](#)
[गोपाष्टमी](#)

भारत में कहाँ-कहाँ मनाई जाती है?

होली पूरे भारत में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है, लेकिन कुछ स्थानों पर इसकी खास पहचान है:

1. मथुरा-वृंदावन की होली

भगवान कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा और उनकी लीला भूमि वृंदावन में होली विशेष रूप से मनाई जाती है। यहाँ लठ्ठमार होली, फूलों की होली और रंगों की होली अलग-अलग दिनों में मनाई जाती है।

2. बरसाने की लठ्ठमार होली

बरसाने में लट्टुमार होली प्रसिद्ध है, जहाँ महिलाएँ पुरुषों पर लाठियों से प्रहार करती हैं और पुरुष ढाल लेकर बचने का प्रयास करते हैं। यह परंपरा कृष्ण और राधा की प्रेमलीला से जुड़ी हुई है।

3. शांति निकेतन की होली (बसंत उत्सव)

रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित शांति निकेतन में होली को बसंत उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यहाँ संगीत, नृत्य और गुलाल के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।

4. पंजाब की होला मोहल्ला

पंजाब में होली को होला मोहल्ला के रूप में मनाया जाता है, जिसे सिख समुदाय धूमधाम से मनाता है। यह आनंदपुर साहिब में होता है, जहाँ मार्शल आर्ट और घुड़सवारी जैसी प्रतियोगिताएँ होती हैं।

5. राजस्थान की शाही होली

जयपुर और उदयपुर में राजसी परिवारों द्वारा भव्य होली मनाई जाती है, जिसमें शाही परंपराओं को जीवंत किया जाता है।

6. बिहार और उत्तर प्रदेश की होली

यहाँ भांग, ठंडाई, फगुआ गीत और गुलाल के साथ होली खेली जाती है। खासतौर पर बनारस में गंगा घाटों पर रंगभरी एकादशी के दिन होली का शुभारंभ होता है।

होली के दिन पकवान

होली के दिन विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं, जिनमें प्रमुख हैं:

1. गुजिया — यह होली का सबसे प्रिय मिष्ठान है, जिसे खोया, सूखे मेवे और चीनी से तैयार किया जाता है।
2. मालपुआ — यह एक मीठा पकवान है जिसे आटे, दूध और चीनी के घोल से बनाया जाता है।
3. दही भल्ले — दही और चटनी के साथ बनाए जाने वाले ये व्यंजन बहुत लोकप्रिय होते हैं।
4. भांग ठंडाई — ठंडाई में भांग मिलाकर इसे होली के विशेष पेय के रूप में परोसा जाता है।
5. पापड़ और चटपटे स्नैक्स — मसालेदार पापड़, मठरी और चटपटे स्नैक्स भी होली के दिन खूब खाए जाते हैं।

इस दिन किन भगवानों की पूजा की जाती है?

1. भगवान विष्णु — होलिका दहन के दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा की जाती है, क्योंकि उन्होंने भक्त प्रह्लाद की रक्षा की थी।
2. भगवान कृष्ण — रंगों की होली के दिन श्रीकृष्ण और राधा की पूजा होती है।

3. कामदेव और रति – दक्षिण भारत में होली के दौरान कामदेव और उनकी पत्नी रति की पूजा भी की जाती है, क्योंकि यह बसंत ऋतु का त्योहार भी है।

होली का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह लोगों को जोड़ने का माध्यम भी है। यह पर्व भेदभाव को मिटाकर **प्यार, सौहार्द और एकता** को बढ़ावा देता है। होली के दिन शत्रु भी गले मिलकर मित्र बन जाते हैं और समाज में प्रेमभाव का संदेश फैलता है।

[होली](#) भारत का एक प्रमुख त्योहार है, जो पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है। यह केवल रंगों से खेलने का पर्व नहीं है, बल्कि इससे जुड़ी पौराणिक कथाएँ, पकवान, भजन-कीर्तन और परंपराएँ इसे और खास बनाती हैं। यह पर्व हमें आपसी मतभेद मिटाकर प्रेम और सौहार्द की भावना को अपनाने की सीख देता है।

तो इस होली, हर गिले-शिकवे मिटाइए और रंगों की इस खूबसूरत दुनिया में खो जाइए! **होली है!**

Read more religious content on

[Vedic Prayers](#)